एक नजर में

असाक्षरों का पोर्टल पर पंजीयन के निर्देश

गुना। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा गूगल मीट से की गई कार्यक्रम अंतर्गत जिले में 2011 की जनगणना अनुसार समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों का शत प्रतिशत सर्वे एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करने और सर्वे में चिन्हित असाक्षरों का पोर्टल पर पंजीयन करने तथा लक्ष्य अनुसार नवसाक्षरों को आगामी अगस्त माह में होने वाली साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित कराने हेतु गूगल मीट से जुड़े सभी बीआरसीसी विकासखंड सह समन्वयक साक्षरता संकुल सह समन्वयक साक्षरता एवं अक्षर साथियों को दिए गए।

जिले में अब तक 596 मिमी औसत वर्षा दर्ज

गुना। जिले में 01 जून से अब तक 569.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 56.7 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 351.9 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है। 01 जून से 20 जुलाई 2025 प्रात: 8:00 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 869.3 मिलीमीटर, बमौरी में 791.0, आरोन में 529.0, राघौगढ़ में 512.0, चांचौड़ा में 449, कुम्भराज में 537 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सूदनगढ में 489.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 1.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 0.0 मिमी., बमोरी में 2.0 मिमी., राघौगढ़ में 2.0 मिमी., चांचौड़ा में 3.0 मिमी. वर्षा दर्ज हुई।

हक की लड़ाई, शांति और स्वाभिमान के साथ

दिव्यांगों ने कहा कि या तो कलेक्टर हमें भोजन कराएं या हम उन्हें बना कर खिलाएं

नवभारत न्यूज

गुना 20 जुलाई का। जिले में रविवार को एक अनोखा और शांतिपूर्ण प्रदर्शन देखने को मिला, जब दिव्यांगजनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर स्वाभिमान अभियान की शुरुआत की। इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि इसमें नारेबाजी, सडक जाम या धरना नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठकर भोजन करने की रणनीति अपनाई गई है।

इसी के तहत पहले दिन दिव्यांगजन कलेक्टर निवास के बाहर पहुंचे और प्रतीकात्मक रूप से कहा - या तो कलेक्टर हमें भोजन कराएं या हम उन्हें बना कर खिलाएं। दरअसल सुबह से ही दर्जनों दिव्यांगजन अपने तय कार्यक्रम के तहत कलेक्टर निवास के सामने एकत्रित हो गए। हालांकि, सुरक्षा कारणों से उन्हें बंगले के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया, लेकिन वे शांतिपूर्वक बाहर ही बैठ गए और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सूचना मिलते ही एसडीएम शिवानी पांडे, तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा और कैंट थाना प्रभारी अनूप भार्गव सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। बातचीत के बाद सभी दिव्यांगों को कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित जनसुनवाई कक्ष में ले जाया गया। यहां प्रशासन द्वारा सभी के भोजन की व्यवस्था की गई और होटल से खाना मंगवाकर परोसा गया। इस दौरान कलेक्टर भी वहां पहुंचे और उपस्थित दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर संभव सभी मांगों को प्राथमिकता से निपटाया जाएगा। इस दौरान कलेक्टोरेट में एकता का नजारा देखने को मिला जब एक दिव्यांग की सायकिल पंचर हो गई, तो दूसरे दिव्यांग ने कलेक्टोरेट ने उसकी सायकिल की पंचर बनाई। दिव्यांगजन इस आंदोलन को 'स्वाभिमान प्रदर्शन' कह रहे हैं, जिसमें वे किसी से टकराव नहीं, बल्कि संवाद की राह अपना रहे हैं। उनका कहना है कि वे अपने हक के लिए विनम्रता से लड़ रहे हैं, ताकि समाज को यह संदेश मिले कि अधिकार मांगने की भी गरिमा होती है। इस आंदोलन की रूपरेखा नौ दिनों की बनाई गई है, जिसमें वे जिले के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के प्रमुखों के निवास पर पहुंचेंगे, भोजन साझा करेंगे और ज्ञापन सौंपेंगे।

आंदोलन की मुख्य मांगें

दिव्यांग समुदाय की मुख्य मांगों में सबसे अहम है पेंशन राशि में बढ़ोतरी। वर्तमान में उन्हें 600 प्रति माह पेंशन मिलती है, जिसे बढ़ाकर 1500 करने की मांग की जा रही है। इसके अलावा वे बस किराए में 50 फीसदी छूट के प्रभावी क्रियान्वयन की भी मांग कर रहे हैं, क्योंकि निजी बस संचालक अक्सर पूरा किराया वसूलते हैं। इसके अलावा बिजली बिल में पूरी छूट, दिव्यांग आयोग का गठन, दिव्यांग व्यक्ति को आयुक्त पद पर नियुक्त करना, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग को अलग मंत्रालय बनाना, सरकारी दुकानों की नीलामी में 6 फीसदी आरक्षण, पंचायत, नगरीय निकाय, विधानसभा और संसद में 6त्न सीटें आरक्षित करना तथा स्वरोजगार के लिए 10 लाख तक का बिना गारंटी सरकारी ऋण देने की मांग की।

इनका कहना है

दिव्यांगजनों का अपनी मांगों को लेकर अनोखी पहल की थी। उनकी कोशिश थी कि अधिकारी-जनप्रतिनिधियों के घर जाकर खाना के साथ अपनी मांगें रखी। चूंकि प्रशासनिक व्यवस्थाओं में कई सारी चीजें होती हैं। आपको वो बातें कहनी है जो ऑफिशियल होती है तो उसके लिए ऑफिस ही सबसे अच्छी जगह होती है। मुझे खुशी है उन्होंने मेरी बातें माने। आज हमने उनकी बातें सुनी और अपना पक्ष भी रखा। दिव्यांगों की मांगों को लेकर डाटाबेस बनाएंगे और जो भी उनके मुद्दे हैं उनका निराकरण करने की कोशिश करेंगे। लोकल मुद्दे हम जल्द बैठककर हल करने की कोशिश करें, जबकि प्रदेश स्तर के मुद्दे हम प्रदेश में भेजेंगे। कोई भी बात हवा में न हो, डाटाबेस के साथ काम करेंगे। हमने उनके साथ लंच भी किया है वह संतुष्ट हैं।

किशोर कन्याल, कलेक्टर गुना

जन शिक्षण संस्थान गुना में स्वच्छता विषय पर निबंध

नवभारत न्यूज

गुना। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान गुना में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत चल रही गतिविधियों की श्रृंखला में पटेल नगर स्थित प्रशिक्षण केंद्र पर निबंध लेखन, नारा लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्थान के निदेशक प्रशान्त कुमार, कार्यक्रम अधिकारी आविद खान, सहायक कार्यक्रम अधिकारी दीपक शर्मा एवं प्रशिक्षिका श्रीमती प्रीति शर्मा की देखरेख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने स्वच्छता के प्रति अपने विचारों और रचनात्मकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में निदेशक प्रशान्त कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता का अर्थ केवल शरीर या वस्त्रों की सफाई नहीं, बल्कि हमारे आसपास के वातावरण, समाज और देश की स्वच्छता भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता एक ऐसा गुण है जो जीवन को सुंदर और स्वस्थ बनाता है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि वे स्वच्छता को केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाएं। इसके बाद छात्राओं ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सराहना के साथ उत्साहित किया गया। इस अवसर पर रामबरन सगर, राजकुमार ओझा, कालू पटेलिया, चंदन सिंह केवट, राजकुमारी राजपूत सहित संस्थान की 40 से अधिक छात्राएं उपस्थित रहीं।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत जिलेभर में जागरुकता कार्यक्रम

गुना। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे राज्यव्यापी विशेष जन जागरूकता अभियान नशे से दूरी, है जरूरी के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गुना एसपी अंकित सोनी के मार्गदर्शन में आयोजित इन कार्यक्रमों में लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशा त्यागने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। 20 जुलाई को जिले के लगभग सभी थानों द्वारा सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, गांवों और संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। बमौरी में एसडीओपी विवेक अष्ठाना और थाना प्रभारी दिलीप राजौरिया द्वारा मुख्य चौराहे पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया गया। गुना कोतवाली पुलिस ने जयस्तंभ चौराहे पर नशा मुक्ति संदेश दिया। बजरंगगढ़ थाना प्रभारी कृपाल सिंह परिहार ने टोल प्लाजा पर यात्रियों को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए पंपलेट वितरित किए और वाहनों पर चस्पा किए। विजयपुर थाना पुलिस ने बहादुरगढ़ गांव में, आरोन थाना ने बस स्टैंड पर, मृगवास पुलिस ने खेड़ीघटा गांव में, मधुसूदनगढ़ पुलिस ने उकावद चौकी पर ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें नशे के विरुद्ध जागरूक किया। धरनावदा थाना की चौकी झागर, फतेहगढ़ थाना के ग्राम भाऊपुरा, और राघौगढ़ बस स्टैंड पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए। वहीं, महिला थाना टीम ने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में छात्राओं को नशे के दुष्परिणाम बताए और जीवनभर नशा न करने की शपथ दिलाई।

आशा कार्यकर्ताओं को दिया दस्तक अभियान का प्रशिक्षण

गुना/चांचौड़ा। जिले के चांचौड़ा विकासखंड में आगामी दस्तक अभियान की पूर्व तैयारी के तहत आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गुना के निर्देशानुसार एवं डॉ. राजेश कुमार पुष्पक, बीएमओ बीनागंज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। बैठक में बीपीएम जितेन्द्र सेन ने जानकारी दी कि दस्तक अभियान 22 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगा, जिसमें विकासखंड के सभी ग्रामों में घर-घर जाकर आशा कार्यकर्ता 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगी। अभियान के दौरान दस्त प्रबंधन के लिए बच्चों को जिंक की गोली और ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएंगे। बीईई लक्ष्मीनारायण शिवहरे ने जनसंख्या स्थिरीकरण माह की जानकारी देते हुए परिवार नियोजन के साधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। वहीं, एमटीएस प्रदीप सेन ने मच्छर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया और डेंगू से बचाव के उपाय साझा किए। बैठक में जिला कोऑर्डिनेटर जुगल किशोर व्यास (आईपास संस्था), सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गुना। अखिल भारतीय मानव उत्थान सेवा समिति शाखा गुना द्वारा रविवार को शहर में विभिन्न स्थानों पर एक साथ वृक्षारोपण किया गया। यह आयोजन समिति के संस्थापक सतपाल महाराज की प्रेरणा से देशभर में चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और लोगों में हरियाली के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसी क्रम में गुना के शासकीय प्राथमिक विद्यालय पनवाड़ा में फलदार और छायादार वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम में समिति के क्षेत्रीय महात्मा गिरधारी नंद की उपस्थिति में वृक्षारोपण संपन्न हुआ। समिति के पदाधिकारियों ने इस दौरान वृक्षों की देखभाल की जिम्मेदारी स्थानीय विद्यालय और समिति कार्यकर्ताओं को सौंपी तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री का 25 जुलाई को चांचौड़ा में प्रस्तावित दौरा

नवभारत न्यूज

गुना। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव25 जुलाई को चाचौड़ा में प्रस्तावित दौरा है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का संभावित 25 जुलाई को चांचौड़ा में आगमन हो रहा है।

उनके आगमन के पूर्व तैयारियों को लेकर बीनागंज के एक निजी गार्डन में चांचौड़ा विधानसभा स्थित निवासरत भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की वृहद बैठक आयोजित की गई। बैठक मे मुख्य अतिथि राजगढ़ सांसद रोडमल नागर एवं बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार द्वारा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष श्री सिकरवार ने संबोधित कर मुख्यमंत्री के आगमन की विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने पांचों मंडलों से सभी कार्यकर्ताओं से मुख्यमंत्री के स्वागत में सम्मिलित होने का आग्रह किया। इस अवसर पर बैठक में भाजपा नेता जगदीश मीना, मधुसूदनगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष श्याम लाल अहिरवार, मण्डल अध्यक्ष चांचौड़ा प्रधुमन सिंह मीना, कुम्भराज मंडल अध्यक्ष रोहित कासट, मंडल अध्यक्ष मृगवास राजाराम गुर्जर, मंडल अध्यक्ष मधुसूदनगढ़ प्रदीप साहू, मंडल अध्यक्ष तेलीगांव अंकित शर्मा सहित चाचौड़ा विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच का संचालक भाजपा वरिष्ठ नेता राजेश खंडेलवाल ने किया एवं आभार पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीकृष्ण भोला सोनी ने माना।

हिंदू रक्षा शक्ति संघ ने सौंपी नई जिम्मेदारियां

गुना। हिंदू रक्षा शक्ति संघ की एक अहम बैठक रविवार को सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी कल्याणपुरी गोस्वामी ने की। बैठक में रुठियाई नगर के लिए राजेंद्र प्रसाद सुमन को मध्य प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया। नियुक्ति पत्र सौंपते हुए सभी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी। साथ ही, मानसिंह मोंगिया को शक्ति नगर पालिका राघौगढ़ का नगर अध्यक्ष, रंजीत केवट को गौ रक्षक नगर अध्यक्ष रुठियाई, अर्जुन यादव को गौ रक्षक उपाध्यक्ष, सीताराम शामिल हैं।

पुलिस की सूझबूझ से 2400 किलोमीटर दूर कर्नाटक से गुमशुदा युवती सकुशल बरामद

गुना। जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र से लापता हुई 19 वर्षीय विवाहित युवती को पुलिस ने 2400 किलोमीटर दूर कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। यह कार्यवाही गुना पुलिस की सतर्कता, तकनीकी दक्षता और मानवीय संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बनी है। युवती 4-5 जून 2025 की रात घर से बिना बताए लापता हो गई थी। अगले दिन परिजनों ने थाना धरनावदा में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। युवती की तलाश में पुलिस ने न केवल अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया, बल्कि मोबाइल लोकेशन, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य डिजिटल संसाधनों की मदद से उसका सुराग निकाला। जांच के दौरान युवती की लोकेशन कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले में मिलने पर धरनावदा थाना टीम ने तुरंत वहां रवाना होकर सीमित संसाधनों और भाषाई चुनौतियों के बावजूद उसे तलाश कर सकुशल वापस लाया। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रभात कटारे, एएसआई कृष्णमुरारी तिवारी, प्र.आ. कल्याण सिंह केवट की विशेष भूमिका रही।

गांव तक पहुंचने का रास्ता नहीं, नाराज महिलाओं ने दी चक्काजाम की चेतावनी, मौके पर पहुंचा प्रशासन

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के चांचौड़ा क्षेत्र में लगातार बारिश और सडक न होने की समस्या से त्रस्त ग्राम सागर की महिलाओं का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। गांव की दर्जनों महिलाएं बच्चों को गोद में उठाए, हाथों में तख्तियां लेकर नेशनल हाईवे-46 बीनागंज बायपास पर एकत्र हो गईं और चक्काजाम की चेतावनी देते हुए विरोध जताया। महिलाओं का कहना था कि बारिश में हालात इतने खराब हो जाते हैं कि पैदल चलना तक दूभर हो जाता है, बाइक से निकलना तो दूर की बात है। गांव की महिलाओं ने बताया कि उनके मोहल्ले और घरों तक पक्की तो छोड़िए, मुरम या कच्चा रास्ता तक नहीं है। हर साल बरसात में कीचड़ और फिसलन के कारण स्कूल जाना, बाजार तक पहुंचना या बीमारों को अस्पताल ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने कई बार मांग की, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार मयंक खेमरिया और थाना प्रभारी प्रमोद साहू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं से चर्चा की और समस्या को समझने के लिए गांव जाकर मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों को खुद भी कीचड़ और फिसलन से होकर गुजरना पड़ा, जिससे हालात की गंभीरता स्पष्ट हो गई। महिलाओं ने प्रशासन से मांग की कि जब तक पक्की सडक संभव न हो, तब तक कम से कम पत्थर की चूरी या मुरम बिछाकर एक अस्थायी रास्ता बना दिया जाए, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चे, गर्भवती महिलाएं और बीमार ग्रामीणों को राहत मिल सके। प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जनपद अधिकारी को तत्काल निर्देश जारी किए कि कार्य प्राथमिकता में लेकर जल्द समाधान किया जाए। अधिकारियों ने महिलाओं से शांति बनाए रखने की अपील की और भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को जल्द ही अमल में लाया जाएगा।

इनका कहना है

यह ग्राम पंचायत सागर की एक बस्त है, जो ग्राम से थोड़ी दूर है।इसमें पंगडंडी बनी है, यहां कीचड़ बगैर थी।इनकी मांग है कि यहां पर मुरम बगैरा डालकर इसे ठीक करवा दिया जाए। इस संबंध में जनपद सीईओ को अवगत करा दिया गया है। जल्द मार्ग को दुरूस्त कर दिया जाएगा। समझाईश के बाद जाम को भी खुलवा दिया गया है। सभी ग्रामीण संतुष्ट है।

मयंक खेमरिया, तहसीलदार चांचौड़ा

धर्म आगरा से आए जैन विद्वान बैनाड़ाजी और अन्य अतिथियों ने किया दीप प्रज्जवलन तथा शास्त्र भेंट

ज्योतिष और अनुसंधान भी नहीं बदल सके मृत्यु का लेखा : मुनिश्री

नवभारत न्यूज

गुना। बड़े-बड़े वैज्ञानिकों ने काफी रिसर्च किया कि हम मृत्यु को आत्मतत्व को रोक सके। इसके लिए बड़ी-बड़ी कांच की पेटियां में अंतिम सांस लेने वाले जीव को रखा गया। परंतु मृत्यु को उस जीव तत्व को रोक नहीं सके। बड़े-बड़े ज्योतिषों ने मंगल, शुक्र, केतु, शनि सभी नवग्रह के चक्कर में फंसकर अपना समय ही बर्बाद किया पर मृत्यु को रोकने में समर्थ नहीं हो सके। आयु कर्म के समाप्त होने पर ही मरण होता है। महाभारत में अर्जुन द्वारा भीष्म पितामह को बाणों से छलनी कर दिया था। कहते हैं उन्हें इच्छामृत्यु का वरदान था। उन्होंने अर्जुन से उस सत्य को अपनी आंखों से देखने के लिए वह उन बाणों पर लेटे-लेटे सबकुछ देखते रहे। लेकिन वास्तविकता में उनकी आयु कर्म शेष होने के कारण ही यह सब संभव हो सका। उक्त

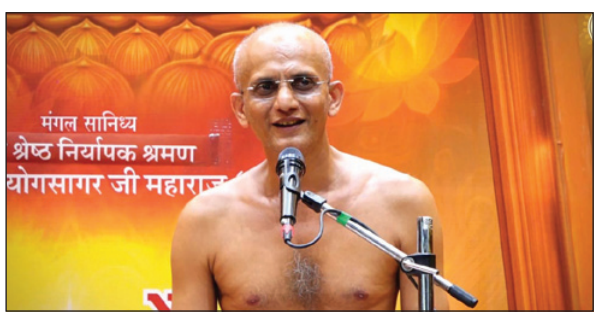

धर्मोपदेश चौधरी मोहल्ला स्थित महावीर भवन में चातुर्मासरत निर्यापक मुनिश्री योग सागरजी महाराज के ससंघ मुनिश्री निर्भीक सागरजी महाराज ने दिए। मुनिश्री ने कार्तिकेअनुप्रेक्षा ग्रंथ का स्वाध्याय कराते हुए कहा कि तृयंच और मनुष्य गति में ही अकाल मरण होता है। नरक और देवगति में अकाल मरण नहीं हो सकता। आयुकर्म शेष है तो अकाल मरण को रोकने में औषधि काम आती है आयु को बढ़ाने में नहीं। इसलिए मुनिराज की दीक्षा लेने के बाद ही उनका संल्लेखना व्रत चालू हो जाता है। मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति के आयु के क्षय होने से मरण होता है। इस मरण को रोकने के लिए कोई कितना भी बलशाली, शक्तिशाली योद्धा हो वो भी कितने भी तंत्र-मंत्रों से महामृत्युंजय मंत्रों की साधना करें पर वह भी मृत्यु पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता, उसे मरना ही होगा। परंतु हमारा आयु कर्म शेष है और एक्सीडेंट, विष, जहर भी खा लेंवे तो औषधि और उपचार काम आते हैं। हमारा जीवन बच जाता है, मगर आयु को बढ़ाने में औषधि काम नहीं आती। मुनिश्री ने बताया कि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज कहते थे कि मुनिराजों की दीक्षा लेते ही उनके संल्लेखना के व्रत चालू हो जाते हैं। अंत में जिस श्रद्धा, भक्ति, समर्पण से उन्होंने साधना की है अंतिम संल्लेखना भी महामंत्र णमोकार का, पंच परमेष्ठी का, ओम शब्द का उच्चारण करते होती है। मात्र ओम शब्द में ही पांचों परमेष्ठी समाहित है यह मंत्र हमें मोक्ष की मंजिल तक साथ देता है। इस दौरान मुनिश्री ने पिछले वर्ष चातुर्मास में मुनिश्री निर्दोष सागरजी, निर्लोभ सागरजी, निरूपम सागरजी महाराज द्वारा णमोकार मंत्र की जाप मशीन द्वारा गुना समाज में करोड़ों मंत्रों का जाप करने की प्रेरणा दी थी। वह मंत्र हमें अशुभ कर्मों से शुभ कर्मों की ओर ले जाने वाला है ऐसे महामंत्र का स्मरण प्रतिक्षण करते रहना चाहिए। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि जो विद्या को ग्रहण करना चाहता है वह विद्यार्थी है। जो सुख चाहता है वह विद्यार्थी नहीं हो सकता। सुख-भोग, विलासता को त्याग कर हम गुरु या शिक्षक से ज्ञान अर्जन कर सकते हैं। अहंकार हमें अंधा बना देता है। इस अहंकार को त्याग कर हमें सच्चा ज्ञान को प्राप्त करना है। बच्चों को विद्यार्थियों को पत्थर दिल नहीं फूल की तरह कोमल होना ह्दय बनना चाहिए। तभी वह शिक्षक-शिक्षिकाओं, गुरुजनों से ज्ञान प्राप्त कर सकता है। जब पढ़-लिख कर वह बड़े पदों पर आसीन होंगे,तब उन्हें शिक्षकों द्वारा दिया गया ज्ञान याद आएगा। इस मौके पर जैन समाज अध्यक्ष संजय जैन एवं महामंत्री अनिल जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आगरा से आए पन्नालाल बैनाड़ा और अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन तथा शास्त्रदान कर किया गया।